उत्तराखंड का विकास सब मिलकर करेंगे

हल्द्वानी | वरिष्ठ संवाददाता

उत्तराखंड के विकास के लिए सबको मिलकर चलना होगा। यह बात 'हिन्दुस्तान' उत्तराखंड समागम में शनिवार को मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी और रमेश पोखरियाल निशंक ने एक सुर में कही। उत्तराखंड-15 वर्ष, जाना कहां था पहुंचे कहां हैं विषय पर आयोजित इस समागम में तीनों ने माना कि अलग राज्य गठन के बाद 15 सालों में उत्तराखंड तेजी से आगे बढ़ा है। बावजूद कुछ चुनौतियां हैं जिन्हें बगैर सहयोग के हल नहीं किया जा सकता। इससे पूर्व 'हिन्दुस्तान' के प्रधान संपादक शशि शेखर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य के विकास के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि उत्तराखंड देश में तेजी से तरक्की करने वाले राज्यों में सातवें नंबर पर है। 2013 की भीषण आपदा के बाद राज्य में प्रति व्यक्ति आय बहुत नीचे पहुंच गई थी। हम तेजी से उठे और 2014-15 में आज राज्य की प्रति व्यक्ति आय सालाना 1.14 लाख हो गई है। इस मामले में हम देश में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। विशिष्ट अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री निशंक ने कहा कि राज्य गठन के वक्त विकास दर 2.9 फीसदी थी। वर्ष 2009-10 में विकास दर 12.30 फीसदी पर पहुंच गई। उत्तराखंड आज देश का दूसरे नंबर का विकासशील राज्य बन गया है।

विशिष्ट अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री कोश्यारी ने कहा कि बड़ी संख्या में सड़कों और पुलों का निर्माण हुआ है। पहले राज्य में कुल दो मेडिकल कालेज थे अब छह हो गए हैं। 22 से 24 विश्वविद्यालय हो गए हैं।

› उपलब्धियां पेज 10-11

तीनों दिखे फिक्रमंद

कार्यक्रम में वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्रियों की जुबां पर पहाड़ का दर्द उभर ही आया। मुख्यमंत्री खासकर शिक्षा, स्वास्थ्य और पलायन पर सबसे ज्यादा फिक्रमंद दिखे। तीनों ने एक तरफ पलायन की पीड़ा बयां की और दूसरी तरफ यह भी कहा कि पहाड़ पर ध्यान दिए बगैर उत्तराखंड राज्य की वास्तविक परिकल्पना साकार नहीं हो सकती।

प्रति व्यक्ति आय में दूसरे पायदान पर

“ प्रति व्यक्ति आय में उत्तराखंड देश में दूसरे पायदान पर है। विपक्ष के सहयोग से इसे आगे बढ़ाएंगे।

-हरीश रावत, मुख्यमंत्री

उपलब्धि

- आपदा के बाद भी राज्य में प्रति व्यक्ति आय में हुई वृद्धि
- तेजी से विकास करने वाले राज्यों में सातवें नंबर पर हैं

चुनौती

- पहाड़ से पलायन की स्थिति काफी चिंताजनक है
- पहाड़ पर शिक्षकों, कर्मचारियों और चिकित्सकों को भेजना

गुणवत्ता सुधारने की है जरूरत

“ हम स्कूल, कॉलेज और सड़क बनाने में काफी आगे बढ़े हैं। लेकिन गुणवत्ता में सुधार की जरूरत है।

-भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व सीएम

उपलब्धि

- पहाड़ के दूरदराज के गांवों तक आज पहुंच गई है सड़क
- गांव की महिलाएं भी शिक्षित होकर कर रही हैं नौकरी

चुनौती

- शिक्षित बेरोजगारों की प्रदेश में लगातार बढ़ रही है संख्या
- शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों की गुणवत्ता में सुधार की जरूरत

हिमालयी राज्यों में हम सबसे आगे

“ 15 सालों में हम विकास के पैमाने पर बहुत आगे हैं। प्रदेश में विकास दर और प्रति व्यक्ति आय भी बढ़ी।

-डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', पूर्व सीएम

उपलब्धि

- प्रदेश में उच्चशिक्षा के साथ चिकित्सा शिक्षा में भी विकास
- 108 सेवा शुरू कर घर-घर पहुंचाई मरीजों के लिए एंबुलेंस

चुनौती

- विकास दर को बनाए रखना और पलायन रोकना जरूरी
- पर्यटन और कृषि के क्षेत्र में समग्र विकास की जरूरत